उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
पूरक परीक्षा – जुलाई, 2015
अंक योजना हिन्दी 'ऐच्छिक'
कक्षा – **XII**

कूटबंध – 29/2/1
29/2/2
29/2/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
1.	1. क	2. क	1. क	**खंड –'क'** अपठित गद्यांश– • भारतीय संगीत। • संगीत एक अमूल्य निधि। (अन्य सटीक शीर्षक भी स्वीकारें)	1
	ख	ख	ख	• भारतीय संगीत की विशिष्टता– –क्षणिक आमोद–प्रमोद की वस्तु नहीं। –समस्त ब्रह्माण्ड से ऐक्य का आभास। –मानव को ब्रह्म तक ले जाने वाला मार्ग। –आनंद प्रदान करने वाली आध्यात्मिक साधना। (कोई दो बिंदु)	2
	ग	ग	ग	• 'इन्डिका' नामक प्राचीन ग्रंथों में। • अन्य देशों के लोगों की अपेक्षा भारतीय संगीत के अधिक प्रेमी हैं।	2
	घ	घ	घ	• हमारे सांसारिक जीवन के सभी काम संगीत से आरंभ – नामकरण, कर्णछेदन, विवाह आदि में।	2

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
	ङ	ङ	ङ	• दिन–प्रतिदिन के कार्यों में, तीज त्योहारों में, खेत और चौपाल में, चक्की चलाना, धान कूटना आदि में।	2
	च	च	च	• सामूहिक रचनात्मक कार्यों में – ➢ सामूहिक स्फूर्ति और प्रेरणा प्रदान करना। ➢ सामूहिक शक्ति प्रदान कर हमें कार्य करने योग्य बनाना।	2
	छ	छ	छ	• भारतीय संगीत का आध्यात्मिक महत्व। • ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग निर्धारित करना।	2
	ज	ज	ज	उपसर्ग – अधि प्रत्यय – इक (कोई एक प्रत्यय)	1
	झ	झ	झ	• यह भारतीय संगीत ही है जो जन्म से मृत्यु तक हमारे साथ बना रहता है। (मिश्र वाक्य)	1
2.	2.	1.	2.	अपठित काव्यांश–	1x5=5
	क	क	क	• कवि को अपनी बेटी की सुरक्षा की चिन्ता क्योंकि सड़कों पर दुर्घटनाएँ होती रहती हैं।	1

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
	ख	ख	ख	• लोगों द्वारा छींटाकशी, अपशब्द, छेड़ छाड़, हिंसा आदि से सतर्क रहना।	1
	ग	ग	ग	• महानगरों में सड़कों पर महिलाओं से होने वाले दुर्व्यवहार पर कोई प्रतिक्रिया न करना, पशुओं सा व्यवहार करना – सड़कों को 'वहशी' कहा गया है।	1
	घ	घ	घ	• भीड़ भरी बसों से उस पर ममता वारने का आग्रह ताकि वाहियात स्पर्शों से और छेड़ छाड़ से वह बची रहे।	1
	ङ	ङ	ङ	• हवाओं से बेटी को बाहर से सकुशल लौटाने का आग्रह।	1
				खंड – ख	
3.	3.	3.	3.	किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित– • भूमिका एवं उपसंहार। 1+1 • विषय–वस्तु एवं प्रतिपादन। 6 (तीन बिंदुओं का प्रतिपादन) • भाषा और प्रस्तुति। 2	10

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
4.	4.	5.	4.	पत्र–लेखन– • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ।1 • प्रश्नानुसार विषय–वस्तु। 3 • भाषा विषयानुरूप। 1	5
5.	5.	4.	5.	फीचर का आलेख– • मौलिकता। 2 • प्रभावी प्रस्तुति। 2 • भाषा। 1	5
6.	6.	6.	6.	प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर–	1x5=5
	क	ग	ङ	• समाचार–पत्र।	1
	ख	ख	क	• इंटरनेट द्वारा प्रतिक्षण समाचार प्राप्ति और प्रेषण/प्रकाशन इंटरनेट पत्रकारिता है।	1
	ग	क	घ	• समाचारों का प्राथमिकता की दृष्टि से वर्गीकरण, संयोजन तथा अन्य प्रशासनिक कार्य – संपादक का मुख्य कर्तव्य।	1
	घ	ङ	ख	• फीचर सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन।	1

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
	ङ	घ	ग	• पाठकों को सूचना देने, शिक्षित करने के लिए विशेष आलेख। • विशेष प्रकार की तथ्यों से पूर्ण सूचना तैयार करना – इनडेप्थ रिपोर्ट।	1
7.	7.	8.	7.	**खंड – ग** • संदर्भ (कवि, कविता) 1 • पूर्वापर संबंध/प्रसंग 1 • व्याख्या 5 • विशेष/काव्य–सौंदर्य 1 काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या – जैसे शमी .....पुंज देखा। कवि – विष्णु खरे। कविता – 'सत्य'। प्रसंग – सत्य का कोई एक स्थिर रूप, आकार या पहचान नहीं। व्याख्या बिंदु – • सत्य की महत्ता को ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के साथ प्रस्तुत करना। • सत्य प्रकाश भरता है, संवाद नहीं करता।	8

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				• शमी वृक्ष के सहारे खड़े विदुर को युधिष्ठिर ने अनजान समझा। • उनके प्रकाश का युधिष्ठिर में मिलना। • सत्य का साक्षात्कार होने पर भी निराशा–संशय की स्थिति। विशेष – • सत्य का मानवीकरण। • खड़ी बोली। • अनुप्रास अलंकार। • पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार। • प्रतीकात्मकता। (कोई दो बिंदु)	
अथवा	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा** सिंधु तर्‌यो.....जराइ जरी। कवि – केशवदास। कविता – 'रामचंद्रिका' के 'अंगद' से। प्रसंग – मंदोदरी द्वारा रावण को राम का प्रताप व गुणों को पहचानने का आग्रह। व्याख्या बिंदु– • रावण के बल–पौरुष पर	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				आक्षेप। • राम का वानर हनुमान समुद्र को लाँघ कर लंका में आ गया और तुमसे कुछ करते नहीं बना। • तुमसे लक्ष्मण–रेखा भी पार नहीं की गई। • हनुमान को बांधने में असफल। • वानरों का समुद्र पर पुल–निर्माण। • हनुमान की पूँछ में आग लगाने पर लंका का जलना। विशेष– • ब्रज भाषा का सहज व सुंदर प्रयोग। • राम की महिमा का गुणगान। • अनुप्रास व यमक की अनुपम छटा। • दृश्य बिंब का अंकन।	
8.	8. क	–	–	किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित– • कण्व ऋषि द्वारा शकुंतला की तरह सरोज को माता के अभाव में पिता द्वारा विदा करने का मार्मिक वर्णन। • दोनों की विदाई और वेदना में समता।	3+3=6

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				• सरोज का पालन–पोषण और शिक्षा माँ के अभाव में शकुंतला की तरह पिता द्वारा ही दी गई।	
ख	–	–		• दीप स्नेह गर्व से भरा। • पंक्ति में रहने पर समष्टि में विलय। • दीप की व्यक्तिगत सत्ता भी कम नहीं है फिर भी पंक्ति की तुलना में वह एकाकी है। • दीप का पंक्ति या समूह में ही उसकी ताकत का, उसकी सत्ता का सार्वभौमीकरण है, उसके लक्ष्य व उद्देश्य का सर्वव्यापीकरण है। • व्यक्तिगत सत्ता को सामाजिक सत्ता के साथ जोड़ने पर बल। • दीप का पंक्ति में विलय व्यष्टि का समष्टि में विलय है। • आत्मबोध का विश्वबोध में रूपांतरण।	
ग	–	–		• पंचवटी में लेशमात्र भी दुख नहीं। • छल–कपट का अभाव। • यम (मृत्यु) का डर नहीं। • कामनाओं की समाप्ति। • बाधाओं का अभाव। • पापों का दूर होना। • मुक्ति प्राप्त होना।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
	–	7. क	–	• सिंधु–तट माधुर्य पूर्ण व लालिमा–युक्त। • सूर्योदय के समय तरु–शिखाओं का नर्तन। • नैसर्गिक, रमणीय और मनोहर प्राकृतिक वर्णन। • भारत देश की सांस्कृतिक गौरव गाथा का चित्रण। • पक्षियों द्वारा प्यारे घोंसलों के निर्माण की कल्पना। • अनजान को भी सहारा देना और लहरों को भी किनारा देना। • दूसरों के दुख–दर्द को अपना समझने वाला भारत।	
	–	ख	–	पूर्णता – • मन में आए उल्लास के रूप में पूर्णता। • मनुष्य, प्रकृति, जीवों आदि सबके मन में जीवन के प्रति आशा। रिक्तता – • अँधेरी गलियों से गंगा की ओर ले जाते हुए शव रिक्तता के प्रतीक। • नश्वरता का वर्णन। • धीरे–धीरे बनारस का यात्रियों से खाली होना।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
	—	ग	—	• सरस्वती की महिमा अपार। • ऋषियों, मुनियों और देवताओं द्वारा भी गुणगान संभव नही ंतो मनुष्य में शक्ति कहाँ? • भूत, वर्तमान और भविष्य में सरस्वती की महिमा का गुणगान करने में कौन सक्षम?	
—	—	8 क		• देवसेना द्वारा अपने जीवन पर दृष्टिपात करते हुए अपने अनुभवों में अर्जित वेदनामय क्षणों को याद करना। • यौवन के क्रियाकलापों को भ्रमवश किए गए कर्मों की श्रेणी में रखना। • मात्र स्कंदगुप्त से देवसेना का प्रेम। • जीवन से निराशा तथा की गई नादानियों के पश्चातापस्वरूप उसकी आँखों से आँसुओं की अजस्र धारा बहना। • आश्रम में रहकर भिक्षाटन। • जीवन के अंत में स्कंदगुप्त को पाने की चाह।	
	—	—	ख	• जलते दीप में तेल रूप में स्नेह भाव का भरा होना। • ज्वाला में गर्व का होना। • प्रकाश के कारण अहं।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
	—	—	ग	• दीप के समान ही प्रतीकार्थ रूप में व्यक्ति में भी स्नेह, गर्व और अहं का होना। • राम वन गमन के पश्चात भरत की मनोदशा का वर्णन। • राम का भरत के प्रति अत्यधिक प्रेम भाव। • भरत को खेल में भी सहयोग देना और उनका मन न तोड़ना। • अपराधी पर भी क्रोध न करना। • कभी साथ न छोड़ना।	
9.	9. क	10. क	10. क	किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य–सौंदर्य– हेम–कुंभ ले.....रजनी भर तारा।। भाव – सौंदर्य :– • उषाकालीन प्राकृतिक सौंदर्य का सजीव वर्णन। • उषा रूपी नायिका का सूर्य–कलश से धरा को सुख सिंचित करना तथा रात भर ऊँघते तारों का धूमिल हो जाना। शिल्प – सौंदर्य :– • खड़ी बोली। • मानवीकरण अलंकार।	3+3=6

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
	ख	ख	ख	यह तन.....धरै जहँ पाउ। भाव–सौंदर्य :– • नागमती की विरह–वेदना की मर्मस्पर्शी अभिव्यक्ति। • शरीर को जला देने की इच्छा। • तन की राख को प्रिय द्वारा अपनाए गए मार्ग पर ले जाने का निवेदन। • प्रिय–मिलन की तीव्र उत्कंठा। शिल्प–सौंदर्य : • विरह का अतिश्योक्तिपूर्ण वर्णन। • दोहा छंद। • अवधी भाषा। • वियोग शृंगार रस।	
	ग	ग	ग	अधर लगे हैं.....सुजान को। भाव–सौंदर्य – • सुजान के आगमन की प्रतीक्षा। • घनानंद की वियोगावस्था का मार्मिक चित्रण। • प्रिय मिलन की व्याकुलता में प्राणों	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				का प्रस्थान हेतु अधरों तक आना। शिल्प – सौंदर्य – • ब्रज भाषा का माधुर्य। • अनुप्रास, मानवीकरण अलंकार। • वियोग शृंगार रस।	
10.	10.	9.	9.	गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या– प्रसंग – 1 संदर्भ – 1 व्याख्या – 3 भाषा – 1 यह समूचा दृश्य.....धुँधलाती रहेगी। पाठ – 'जहाँ कोई वापसी नहीं' लेखक – निर्मल वर्मा प्रसंग – • निर्मल वर्मा के यात्रा – वृत्तांत का अंश। • औद्योगीकरण के दुष्परिणाम। व्याख्या – • खेतों में स्त्रियों द्वारा धान रोपाई का सजीव चित्रण। • स्त्रियों की मांसलता में अश्लीलता	6

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				नहीं, पवित्रता। • औद्योगीकरण के कारण यहाँ प्राकृतिक दृश्य समाप्त होने की चिंता। • तब खेतों का परिवेश स्वप्न हो जाएगा और इन स्त्रियों का भविष्य कल्पनातीत हो जाएगा। विशेष – • सहज, सरल, बोधगम्य भाषा। • तत्सम, तद्भव शब्दों का मेल। • भावनात्मक वर्णन। • वर्णनात्मक शैली।	
अथवा	अथवा	अथवा		**अथवा** वे लोगों को.....नारि मुगलाने की।'' पाठ – प्रेमघन की स्मृतिछाया लेखक – रामचन्द्र शुक्ल प्रसंग – प्रेमघन के आकर्षक व्यक्तित्व पर प्रकाश। व्याख्या – • वामनाचार्य गिरि का सड़क पर चलते हुए चौधरी साहब पर कविता गढ़ना। • अंतिम चरण के अंत में चौधरी साहब का दिखाई पड़ना और उसी मुद्रा में	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				उनकी स्थिति का वर्णन करना। • चौधरी साहब की सुंदरता की तुलना मुगल स्त्री से करना। विशेष – • भाषा सहज, सरल व बोधगम्य। • गिरि जी के आशु कवित्व का संकेत। • वर्णनात्मक शैली।	
11.	11 क	–	–	दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित– • फारसी भाषा के ज्ञाता और पुरानी हिन्दी कविता के बड़े प्रेमी। • फारसी कवियों की उक्तियों को हिन्दी कवियों की उक्तियों के साथ मिलाने में कुशल। • आधुनिक हिन्दी साहित्यकार भारतेन्दु जी के नाटकों के प्रति विशेष लगाव और उन्हें सुनाना। • रात में 'रामचरितमानस' और 'रामचंद्रिका' को बड़े चित्ताकर्षक ढंग से घर के लोगों को एकत्र करके पढ़ कर सुनाना। (किन्हीं चार का उल्लेख)	4+4=8

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
	ख	–	–	संवदिया का अर्थ – • संदेशवाहक, ग्रामीण परिवेश में संवाद पहुँचाने का कार्य करने वाला विशेष व्यक्ति। संवदिया की विशेषताएँ– • समाचार को गोपनीय ढंग से ले जाना। • संवाद के प्रत्येक शब्द को हाव–भाव के साथ याद रखना। • विश्वसनीय, सहनशील, सहृदय एवं संवेदनशील होना। • जिस सुर और स्वर में संवाद सुनाया जाए उसी सुर और स्वर में संवाद सुनाना।	
	ग	–	–	(किन्हीं चार की चर्चा) • सब लोग अपनी आँखें बंद कर लें ताकि उन्हें शांति मिलती रहे। • लोग अपने–अपने कानों में पिघला हुआ सीसा डलवा लें क्योंकि सुनना जीवित रहने के लिए बिलकुल जरूरी नहीं। • लोग अपने–अपने होंठ सिलवा लें, क्योंकि बोलना उत्पादन में सदा से बाधक रहा है।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				निहित व्यंग्य– • राजा को बहरी, गूँगी और अंधी प्रजा पसंद आती है जो बिना कुछ बोले, बिना कुछ सुने और बिना कुछ देखे उसकी आज्ञा पालन करती रहे। • इस छद्म प्रगति और विकास की आड़ में उत्पादन के सभी साधनों पर अपनी पकड़ मजबूत करना। • सत्ता द्वारा लोगों के जीवन को स्वर्ग जैसा बनाने का झांसा देकर अपना जीवन स्वर्गमय बनाना। • उसका जनता को एकजुट होने से रोकना, भुलावे में रख कर स्वार्थसिद्ध करना। (किन्हीं चार का उल्लेख)	
–	12 क		–	• राष्ट्रपति होते हुए भी सहज, सरल भाव से लेखक का अतिथि सत्कार करना। • चाय की मेज़ पर अराफ़ात द्वारा फल छील–छील कर खिलाना। • लेखक के गुसलखाने से हाथ धोकर आने पर अराफ़ात तौलिया लेकर गुसलखाने के बाहर खड़े थे। • अतिथि–प्रेम और आतिथ्य भाव को व्यावहारिक रूप देना। (कोई चार बिंदु)	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
	–	ख	–	• शेर व्यवस्था का प्रतीक है, व्यवस्था ही आम जनता का संचालन करती है। • सत्ता तभी तक खामोश, जब तक उसकी आज्ञा का पालन होता रहे। • व्यवस्था पर उँगली उठने पर सत्ता का खूंखार हो उठना। • विरोध में उठे स्वर को सत्ता द्वारा कुचलने का प्रयास। • सुविधाभोगियों, छद्म क्रांतिकारियों, अहिंसावादियों और सह–अस्तित्ववादियों के ढोंग पर प्रहार। (कोई चार बिंदु)	
	–	ग	–	• औद्योगीकरण के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का दोहन। • उद्योगों से निकले कूड़े–कचरे से पर्यावरण प्रदूषण। • पर्यावरण में असंतुलन। • औद्योगीकरण के कारण मनुष्य अपने समाज, संस्कृति और परिवेश से विस्थापित होकर जीवन जीने को विवश। (कोई चार बिंदु)	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
	—	—	11 क	ढेले छूने की प्रथा– • वर द्वारा वेदी की मिट्टी, गोशाला की मिट्टी, खेत की मिट्टी, मसान की मिट्टी आदि के ढेले लाना। • कन्या द्वारा किसी एक ढेले का चयन करना। • वेदी का ढेला चुनने पर संतान का वैदिक पंडित होना, गौशाला का चुनने पर संतान का पशुओं का धनी होना, खेत की मिट्टी का ढेला चुनने पर संतान का जमींदार होना, मसान का ढेला चुनने पर अशुभ माना जाना, घर का मसान हो जाना। • पर इसका यह अर्थ नहीं कि मसान का ढेला चुनने पर कभी विवाह ही न हो। • किसी दूसरे वर के सामने अन्य ढेला उठाने पर विवाह का हो जाना। अंधविश्वासों को दूर करना– • वैज्ञानिक प्रगति के संदर्भ में अंध विश्वासों से ऊपर उठकर सोचना तथा वैज्ञानिक आधार पर निर्णय लेना। (अंध विश्वासों को दूर करने के संदर्भ में विद्यार्थियों के सकारात्मक एवं वैज्ञानिक अभिव्यक्ति स्वीकार्य)	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
	–	–	ख	• मज़दूरों को चार हाथ देने के लिए मिल मालिकों ने वैज्ञानिकों को शोध कार्य के लिए रखा, लकड़ी के हाथ लगाने की कोशिश की गई, लोहे के हाथ भी लगवाए गए लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। • पूँजीपतियों द्वारा मज़दूरों के शोषण के लिए किए गए उपायों का पर्दाफाश। मिल मालिकों द्वारा मज़दूरों के अस्तित्व को खत्म करने का स्पष्टीकरण। • मज़दूरों द्वारा विरोध न कर पाने की स्थिति में लाचार होकर पूँजीपतियों की शर्तों पर काम करने के सत्य को उजागर करना।	
	–	–	ग	• कवि की तुलना प्रजापति से करके कवि के कर्म के महत्व का प्रतिपादन। • प्रजापति सृष्टि का निर्माण करते हैं वैसे ही कवि कविता का सृजन कर समाज को नई दिशा, ऊर्जा और जीवन दृष्टि प्रदान करते हैं। • कवि द्वारा संसार को भावनात्मक आकार देना। • कल्याणकारी काव्य संसार को प्रदान करना। • कवि द्वारा प्रजापति की भाँति साहित्य के माध्यम से मनुष्य में आशा का	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				संचार करना। • थके हुए मनुष्य को विश्रांति प्रदान कर आगे बढ़ने की प्रेरणा देना।	
12.	12.	11.	12.	जीवन परिचय– अंक विभाजन– क. जीवन परिचय। 2 ख. रचनाएँ (दो रचनाएँ)। 1 ग. भाषा–शैली – उदाहरण सहित तीन विशेषताओं का उल्लेख अपेक्षित)। 3 **<u>फणीश्वर नाथ रेणु</u>** जन्म एवं जीवन परिचय– • जन्म 1921 बिहार के पूर्णिया जिले के औराही हिंगना नामक गाँव में हुआ। • 1942 के 'भारत छोड़ो' स्वाधीनता आंदोलन में भाग लिया। • राजनीति में प्रगतिशील विचारधारा के समर्थक। • 1953 में ये साहित्य–सृजन के क्षेत्र में आए और उन्होंने कहानी, उपन्यास, निबंध आदि विविध साहित्यिक विधाओं में लेखन कार्य किया। • भारत के प्रख्यात आँचलिक कथाकार।	6

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				रचनाएँ– कहानी–संग्रह– 'ठुमरी', 'अग्निखोर', 'आदिम रात्रि की महक', 'तीसरी कसम'। उपन्यास – 'मैला आँचल', 'परती परिकथा'। (कोई दो सोदाहरण अपेक्षित) साहित्यिक विशेषताएँ– • अंचल विशेष को आधार बनाकर आँचलिक शब्दावली और मुहावरों तथा वहाँ के जीवन और वातावरण का चित्रण। • गहन मानवीय संवेदना के कारण अभावग्रस्त जनता की बेबसी और पीड़ा को स्वयं भोगते से लगना। • अपनी रचनाओं के द्वारा प्रेमचंद की विरासत को नई पहचान और भंगिमा प्रदान करना। • इनकी कला – सजग आँखें, गहरी मानवीय संवेदना और बदलते सामाजिक यथार्थ की पकड़ की एक अलग ही पहचान। • शिल्प और अवसाद में भिन्न हिंदी कहानी – परंपरा को जन्म। • भाषा संवेदनशील, संप्रेषणीय एवं भाव प्रधान। • मर्मांतक पीड़ा और भावनाओं के द्वंद्व को उभारने में भाषा सहायक। (किन्हीं दो विशेषताओं का सोदाहरण	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				उल्लेख) **अथवा** **<u>असगर वजाहत</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • जन्म फतेहपुर, उत्तर प्रदेश में। • प्रारंभिक शिक्षा फतेहपुर में हुई। उन्होंने एम.ए. (हिन्दी) और पीएच.डी., अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से की। • सन् 1955–56 से लेखन कार्य प्रारंभ किया। • लघु कथा, नाटक, उपन्यास, कहानी के साथ–साथ फिल्मों और धारावाहिकों के लिए पटकथा लेखन का काम भी किया। रचनाएँ– 'दिल्ली पहुँचना है', 'स्विमिंग पुल और सब कहाँ कुछ', 'आधी बानी', 'मैं हिंदू हूँ' (कहानी संग्रह), 'फिरंगी लौट आए', 'इन्ना की आवाज', 'वीरगति', 'समिधा', 'जिस लाहौर नई देख्या तथा उनकी' (नाटक), 'सबसे सस्ता गोश्त' (नुक्कड़ नाटकों का संग्रह), 'रात में जागने वाले', 'पहर दोपहर' तथा 'सात	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				आसमान', 'कैसी आगि लगाई' (प्रमुख उपन्यास) आदि। साहित्यिक विशेषताएँ– • भाषा में गाम्भीर्य, सबल भावाभिव्यक्ति एवं व्यंग्यात्मकता है। • मुहावरों तथा तद्भव शब्दों के प्रयोग से सादगी आ गई है। • उनकी लघु कथाओं में प्रतीकात्मकता है। प्रतीकों के द्वारा उन्होंने व्यवस्था, मजदूरों के शोषण, किसानों की दुर्दशा आदि पर व्यंग्य किया है। पर्याप्त मात्रा में तत्सम व उर्दू शब्दों का प्रयोग भी मिलता है। (कोई एक उदाहरण)	
				अथवा	
अथवा	–	–	–	**<u>जयशंकर प्रसाद</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • काशी में जन्म। • स्वाध्याय द्वारा शिक्षा प्राप्त। • संस्कृत, पालि, उर्दू, अंग्रेजी साहित्य का गहन अध्ययन। • इतिहास, दर्शन, धर्मशास्त्र आदि विषयों का अध्ययन।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				• राष्ट्रीय जागरण एवं सामाजिक जागृति साहित्य के मूल तत्व। रचनाएँ – • नाटक – अजातशत्रु, स्कंदगुप्त, चंद्रगुप्त, राजश्री आदि। • उपन्यास – कंकाल, इरावती, तितली • कहानी – आँधी, छाया, आकाशदीप • कविता–संग्रह– झरना, आँसू, लहर, कामायनी आदि। (कोई दो) काव्यगत विशेषताएँ– • प्रसाद साहित्य का स्वर राष्ट्रीय जागरण तथा सामाजिक जागृति का है। • प्राचीन भारतीय संस्कृति के गौरव के माध्यम से जीवन मूल्यों की स्थापना। • छायावादी आंदोलन के प्रमुख कवि। • प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण। • प्रतीक–योजना, बिम्ब विधान एवं अलंकारों का सुंदर प्रयोग। • लौकिक प्रेम के विभिन्न रूपों का वर्णन। • प्रेम और सौंदर्य की अनुभूति की अभिव्यक्ति।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				अथवा **तुलसीदास** जन्म एवं जीवन परिचय – • जन्म उत्तर प्रदेश के बाँदा जिले के राजापुर गाँव में हुआ। कुछ विद्वान उनका जन्म स्थान सोरों को भी मानते हैं। पिता आत्माराम दुबे और माता हुलसी थीं। विवाह विदुषी रत्नावली से हुआ। तुलसीदास का गृहत्याग करना प्रसिद्ध है। अपना सारा जीवन प्रभु–भक्ति एवं लोक–जागरण को समर्पित कर दिया। रचनाएँ– 'रामचरितमानस', 'विनयपत्रिका', 'गीतावली', 'कृष्ण गीतावली', 'दोहावली', 'बरवै रामायण', 'जानकी–मंगल', 'पार्वती–मंगल' आदि। साहित्यिक विशेषताएँ– • तुलसीदास लोक मंगल की साधना के कवि हैं। उनकी धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक दृष्टि अत्यंत व्यापक है। • अवधी के कवि हैं। छंद–विधान में वे	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				सिद्धहस्त हैं। • 'मानस' में दोहा–चौपाई का विधान है तो कवितावली में कवित्त–सवैया शैली है। • सत्य तो यह है कि उनकी रचनाओं में भाव, विचार, काव्यरूप, छंद–विवेचन और भाषा की विविधता मिलती है। (किन्हीं दो का उदाहरण सहित उल्लेख अपेक्षित है)	
–	11.	–		**<u>जीवन परिचय–</u>** **<u>रामचन्द्र शुक्ल–</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • उत्तरप्रदेश के बस्ती जिले के अगोना गाँव में जन्म। • आरंभिक शिक्षा उर्दू–अंग्रेज़ी और फ़ारसी में। विधिवत शिक्षा इंटरमीडिएट तक। • स्वाध्याय द्वारा संस्कृत, अंग्रेज़ी, बंगला और हिन्दी के प्राचीन तथा नवीन साहित्य का गंभीरता से अध्ययन। • मिर्जापुर के मिशन हाई स्कूल में	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				चित्रकला के अध्यापक रहे। 'हिन्दी शब्द सागर' के निर्माण कार्य में सहायक संपादक के पद पर नियुक्त होकर काशी आए। बाद में काशी हिंदू विश्वविद्यालय में हिंदी के प्राध्यापक बने। बाबू श्यामसुंदर दास के अवकाश ग्रहण करने के बाद हिंदी विभाग के अध्यक्ष पर कार्य करते हुए यहीं निधन। काशी उनकी कर्मस्थली। • हिंदी के उच्च कोटि के आलोचक, इतिहासकार और साहित्य चिंतक। रचनाएँ – 'चिंतामणि' (चार खंड), 'हिन्दी साहित्य का इतिहास', 'हिन्दी शब्द सागर', 'गोस्वामी तुलसीदास', 'सूरदास', 'रस मीमांसा'। भाषा–शैली की विशेषताएँ – • गद्य–शैली विवेचनात्मक– जिसमें विचारशीलता, सूक्ष्म तर्क योजना तथा सहृदयता का योग। • व्यंग्य और विनोद का प्रयोग करते हुए गद्य–शैली को जीवंत और प्रभावशाली बनाते हैं। विचार–प्रधान, सूत्रात्मक वाक्य रचना। • तत्सम शब्दों से लेकर प्रचलित उर्दू शब्दों तक का प्रयोग। (किन्हीं दो का सोदाहरण उल्लेख अपेक्षित)	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				अथवा **<u>ब्रज मोहन व्यास</u>** **जीवन परिचय–** • जन्म उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में 1886 में। • इलाहाबाद नगर पालिका के कार्यपालक अधिकारी। • 'लीडर' समाचार – पत्र समूह के जनरल मैनेजर। रचनाएँ– 'जानकी हरण' (कुमार दास कृत) का अनुवाद, पं. बाल कृष्ण भट्ट (जीवनी), महामना मदन मोहन मालवीय (जीवनी), मेरा कच्चा चिट्ठा (आत्मकथा) (कोई दो अपेक्षित) साहित्यिक विशेषताएँ– • **व्यास** जी की सबसे बड़ी देन इलाहाबाद का विशाल और प्रसिद्ध संग्रहालय है। • **संस्कृत**, हिन्दी और अरबी–फारसी के चौदह हजार हस्तलिखित ग्रंथों का संकलन। **अथवा**	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
	–	अथवा	–	**घनानंद** जन्म एवं जीवन परिचय – • रीतिकाल के प्रसिद्ध कवि और दिल्ली के बादशाह मुहम्मदशाह के मीर मुंशी। • सुजान नामक स्त्री से अटूट प्रेम, दरबार से निकलने के बाद वृंदावन में निंबार्क संप्रदाय में दीक्षित होकर भक्त के रूप में जीवन–निर्वाह। • सुजान के नाम का प्रतीकात्मक प्रयोग करते हुए काव्य–रचना करते रहे। रचनाएँ – 'सुजान सागर','विरह लीला', 'प्रेम सरोवर', 'प्रिया–प्रसाद', 'प्रेम–पत्रिका', 'सुजान–हित' आदि। (किन्हीं दो का उल्लेख) काव्यगत विशेषताएँ – • स्वच्छन्द प्रेम काव्य धारा की सभी विशेषताएँ। • शृंगार वर्णन अधिक सुन्दर व मार्मिक। • भाव प्रवणता के अनुरूप अभिव्यक्ति को स्वाभाविक वक्रता देते हैं। • इनका प्रेम लौकिकता से ऊपर उठ कर अलौकिक प्रेम की बुलंदियों को छूता है।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				<u>भाषा शैली</u> • काव्य में ब्रज भाषा का प्रयोग जो अरबी, फारसी, राजस्थानी, खड़ी बोली आदि शब्दों से समृद्ध। • लोकोक्तियों और मुहावरे का प्रयोग। • काव्य में अनुप्रास, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा एवं विरोधाभास आदि अलंकारों का प्रयोग। • भाषा में चित्रात्मकता और वाग्विद्ग्धता के गुणों का समावेश। (किन्हीं दो का सोदाहरण उल्लेख अपेक्षित है) **अथवा** **<u>सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • जन्म बंगाल के मेदिनीपुर जिले में। • आर्थिक संकटों, संघर्षों तथा जीवन की यथार्थ अनुभूतियों ने निराला जी के जीवन की दिशा मोड़ दी। • वे गंभीर दार्शनिक, आत्माभिमानी एवं मानवतावादी थे।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				रचनाएँ– **काव्य** – 'परिमल', 'तुलसीदास', 'अनामिका', 'अर्चना', 'आराधना', 'गीतिका', 'कुकुरमुत्ता' आदि। **उपन्यास** – 'अलका', 'अप्सरा', 'निरूपमा', 'प्रभावती' आदि। **कहानी** – 'लिली', 'सखी', 'अपने घर', 'सुकुल की बीबी' आदि। **निबन्ध** – 'प्रबंध प्रतिभा', 'प्रबंध पद्य', 'चाबुक' आदि। **रेखाचित्र** – 'कुल्लीभाट', 'बिल्लेसुर बकरिहा' आदि। **जीवनी** – 'राणा प्रताप', 'भीष्म', 'महाभारत', 'ध्रुव', 'प्रह्लाद' आदि। अनूदित – 'कपाल', 'चन्द्रशेखर', 'कुंडल' आदि। (कोई दो अपेक्षित हैं।) काव्यगत विशेषताएँ– • बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। • इनके काव्य में शक्ति, पौरुष, शृंगार, दार्शनिकता, मानवता के प्रति करुणा, संवेदना और टीस है। • छायावादी, रहस्यवादी, प्रगतिवादी, मानवतावादी दृष्टिकोण। • छायावादी और हिन्दी की स्वच्छंदतावादी कविता के प्रमुख आधार स्तंभ।	

*These answers are meant to be used by evaluators
collegedunia.com India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				• भारतीय इतिहास, दर्शन और परंपरा का व्यापक बोध। • समकालीन जीवन के यथार्थ के विभिन्न पक्षों का चित्रण। • भावों और विचारों की विविधता, व्यापकता और गहराई। • मुक्त छंद के प्रवर्तक। भाषा–शैली – • भाषा खड़ी बोली। • संस्कृतनिष्ठ शब्दों की प्रधानता। • संगीतात्मकता के गुण। • सरल, बोधगम्य भाषा। फारसी और अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग। • शैली ओज एवं प्रभावपूर्ण तथा मौलिक। (किन्हीं दो का सोदाहरण उल्लेख अपेक्षित)	
–	–		12.	**<u>भीष्म साहनी</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • रावलपिंडी में जन्म। गवर्नमेंट कॉलेज, लाहौर से अंग्रेजी साहित्य में एम.ए. और पंजाब विश्वविद्यालय से पीएच. डी.। • अध्यापन कार्य अंबाला कॉलेज,	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				खालसा कॉलेज (अमृतसर), जाकिर हुसैन कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय)। • 'विदेशी भाषा प्रकाशन गृह' मास्को में भाषा के अनुवादक रहे। • 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। हिन्दी अकादमी ने उन्हें 'शलाका सम्मान' से सम्मानित किया। रचनाएँ – 'भाग्य रेखा', 'भटकती राख', 'पहला पाठ', 'वाङ्चू', 'पटरियाँ', 'शोभा यात्रा', 'निशाचर', 'डायन', 'पाली' (कहानी संग्रह), 'हानूश', 'माधवी', 'मुआवजे', 'कबिरा खड़ा बाजार में' (नाटक), 'गुलेल का खेल' (बालोपयोगी कहानियाँ) आदि। नई कहानियों के कुशल सम्पादक। साहित्यिक विशेषताएँ– • भाषा–शैली में पंजाबी भाषा की सोंधी–सोंधी महक महसूस की जा सकती है। • भाषा में उर्दू शब्दों का प्रयोग विषय को आत्मीयता प्रदान करता है। छोटे–छोटे वाक्यों का सफल प्रयोग करके विषय को रोचक एवं प्रभावी बना देते हैं। • संवादों का सटीक प्रयोग वर्णन में	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				ताजगी ला देता है। (कोई दो उदाहरण सहित) **अथवा** **<u>निर्मल वर्मा (1929–2005)</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • शिमला (हिमाचल प्रदेश) में जन्म। • दिल्ली विश्वविद्यालय से इतिहास में एम.ए. किया और फिर अध्यापन कार्य। • चेकोस्लोवाकिया के प्राच्य–विद्या संस्थान प्राग के आमंत्रण पर वहाँ गए और चेक उपन्यासों और कहानियों का हिंदी अनुवाद किया। • हिंदी के समान ही अंग्रेजी पर पूर्ण अधिकार। • 'टाइम्स ऑफ इंडिया' तथा 'हिन्दुस्तान टाइम्स' के लिए यूरोप की सांस्कृतिक व राजनीतिक समस्याओं पर लेख व रिपोर्ताज लेखन। • 1970 में वे भारत लौट आए और स्वतंत्र लेखन करने लगे। • नई कहानी आंदोलन के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				रचनाएँ – 'जलती झाड़ी', 'परिंदे', 'वे दिन', 'शब्द और स्मृति', 'ढलान से उतरते हुए' 'तीन एकांत', 'पिछली गरमियों में', 'कव्वे और काला पानी', 'बीच बहस में', ' सूखा तथा अन्य कहानियाँ', 'लाल टिन की छत', 'एक चिथड़ा सुख', 'अंतिम अरण्य', रात का रिपोर्टर', कला का जोखिम', आदि। काव्यगत विशेषताएँ– • विचार – सूत्र की गहनता। • भाषा में उर्दू एवं अंग्रेजी के शब्दों का स्वाभाविक एवं सटीक प्रयोग। • शब्द चयन में जटिलता नहीं। • वाक्य रचना में मिश्र और संयुक्त वाक्यों की प्रधानता। • भाषा–शैली में अनेक नवीन प्रयोगों की झलक। (कोई दो बिन्दु अपेक्षित हैं।)	
	–	–	अथवा	**अथवा** **केशवदास (1555–1617)** जन्म एवं जीवन परिचय –	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				• ओरछा नगर में जन्म। • ओरछापति महाराज इंद्रजीत सिंह के मुख्य आश्रयदाता। • वीर सिंह देव का आश्रय भी मिला। • साहित्य, संगीत, धर्मशास्त्र, ज्योतिष, राजनीति और वैद्यक – विषयों के आचार्य। उनका आचार्य, महाकवि व इतिहासकार रूप काव्य रचना में दिखाई पड़ता है। रचनाएँ– 'कविप्रिया', 'रसिकप्रिया', 'रामचंद्रचंदिका', 'वीर चरित्र', 'विज्ञान–गीता', 'रतन बावनी'। साहित्यिक विशेषताएँ– • संस्कृत की शास्त्रीय पद्धति का हिन्दी में रूपांतरण। • व्यवस्थित और सर्वांगपूर्ण रीतिग्रंथ लिखे। • ब्रज भाषा का प्रयोग। • बुंदेली के शब्दों का प्रयोग। • भाषा पर संस्कृत का प्रभाव। • कवित्त–सवैया छंद। (कोई दो बिन्दु अपेक्षित) **अथवा**	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				रघुवीर सहाय (1929–1990) जन्म एवं जीवन परिचय – • जन्म लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में हुआ। • संपूर्ण शिक्षा भी लखनऊ में ही। • शिक्षा – अंग्रेजी साहित्य में एम.ए.। • कार्यक्षेत्र 'प्रतीक' में सहायक संपादक। 'दिनमान' पत्रिका का संपादन। • आकाशवाणी के समाचार विभाग में भी रहे। • हैदराबाद से प्रकाशित होने वाली पत्रिका 'कल्पना' के संपादन से भी जुड़े रहे। रचनाएँ– 'सीढियों पर धूप में', 'हँसो हँसो जल्दी हँसो'–रचनावली छह खंडों में प्रकाशित। 'नई कविता' के कवि, अज्ञेय द्वारा संपादित दूसरा सप्तक में संकलित। साहित्यिक विशेषताएँ– • नयी कविता के कवि। • कविता के अतिरिक्त रचनात्मक और विवेचनात्मक गद्य लेखन भी। • काव्य–संसार में आत्मपरक अनुभवों	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				की जगह जन जीवन के अनुभवों की रचनात्मक अभिव्यक्ति अधिक। • व्यापक सामाजिक संदर्भों के निरीक्षण, अनुभव और बोध की कविताओं में अभिव्यक्ति। • मानवीय पीड़ाओं की अभिव्यक्ति। भाषा–शैली – • काव्य–दृष्टि के अनुरूप ही इनके द्वारा अपनी नयी काव्य–भाषा का विकास। • काव्य – भाषा सटीक, दो टूक और विवरण प्रधान। • अनावश्यक शब्दों के प्रयोग का अभाव। • भयाक्रांत अनुभव की आवेगरहित अभिव्यक्ति। • कविता की संरचना में कथा या वृत्तांत का उपयोग। (कोई दो सोदाहरण अपेक्षित)	
13.	13.	13.	13.	**खंड–घ** पर्यावरण के विनाश के कारण– • वृक्षों की अंधाधुंध कटाई। • उद्योगों का अनियमित फैलाव	5

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				• कारखानों की गन्दगी नदियों में निष्कासित करना। • वाहनों द्वारा वायुमण्डल को प्रदूषित करना। पर्यावरण को विनाश से बचाने के उपाय– • कारखानों एवं उद्योगों को शहर से दूर रखा जाए। • नदियों में प्रदूषित जल न छोडें, कचरा न फेंके। • प्लास्टिक थैली का प्रयोग रोकें। • धुआँ देने वाले वाहनों का प्रयोग न करें। • वातावरण में गन्दगी न फैलाएँ। (विद्यार्थियों के सुझाव भी स्वीकार्य)	
अथवा	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा** • 'आरोहण' कहानी पर्वतीय प्रदेशों के निवासियों के जीवन की संघर्षमय गाथा। • वहाँ की भौगोलिक, सांस्कृतिक व सामाजिक परिस्थितियों का निरंतर बदलना। • भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएँ आम बात होना जिससे लोगों का जीवन दूभर और उनका अपने घर और संबंधियों से बिछुड़ना।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				• खेतों का मलबे से भर जाना और खेती न होने के कारण पेट भरना भी मुश्किल। • बर्फ जमने से दिनचर्या का बंद हो जाना। • पहाड़ी जीवन अपेक्षाकृत कठिन, जटिल, दुखद, संघर्षमय और पीड़ाजन्य होने के कारण पलायन जैसी समस्या। • जन–सुविधाओं का अभाव, मार्ग सँकरे व खतरनाक, बेरोजगारी, शिक्षा व चिकित्सा सुविधाओं का अभाव, अभावपूर्ण कष्टमय जीवन के कारण पर्वतीय अंचलों से पलायन की समस्या। जीवन–मूल्य– • धैर्य, आत्मानुशासन, आत्मबल। • विषम परिस्थितियों में भी जीने की राह निकालना। • परिश्रमी व मेहनती होना। • स्वाभिमान • पशु–प्रेम। • हार न मानना।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
14.	14. क	14. क	14. क	• झोपड़ी जल जाने से सूरदास का निराशा और चिंता में डूब जाना। • घर, पैसा और प्रतिष्ठा तीनों के जाने पर सूरदास की चिंतनीय स्थिति। • तभी मिठुआ के रोने की आवाज व 'खेल में भी रोता है' वाक्य सुनकर सूरदास की सारी चिंता ग्लानि और क्षोभ का चला जाना। • सूरदास द्वारा जीवन को भी एक खेल समझ कर विजय और पराजय को स्वीकार करना। • विजय हो या पराजय, जीवन के खेल को आनंद के रूप में लेना। • विजय गर्व की तरंग से भर जाना। • सूरदास का जीवन की वास्तविकता से परिचित होना। • उसकी नकारात्मकता का दृढ़ संकल्प के साथ सकारात्मकता में परिवर्तित हो जाना। • सूरदास का पुनर्निर्माण की भावना तथा दृढ़ इच्छा–शक्ति से परिपूर्ण होना।	5
	14. ख	14. ख	14. ख	• रूपसिंह आराम व सुख का जीवन बिताने वाला। • घर से भाग कर मसूरी के पर्वतारोहण संस्थान में नौकरी करना।	5

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
				• आधुनिक उपकरणों के माध्यम से पहाड़ों पर चढ़ने वाला। • तकनीकी रूप से पर्वतारोहण का ज्ञान व शौक। • रूपसिंह लाज, अपनत्व और झिझक महसूस करने वाला । • भूपसिंह में धैर्य, आत्मविश्वास, ताकत और कुशलता का होना। • पर्वतारोहण में बिना किसी सहायता के पारंगत होना। • भूपसिंह का कठोर परिश्रमी होना। • पहाड़ के जीवन में संघर्ष करने वाला। • स्वाभिमानी। • अभावों में भी जीवन जीने में कुशल। • पशुओं के प्रति आत्मीयता। (तुलना के कोई पाँच बिंदु)	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

**These answers are meant to be used by evaluators*

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform